UNIVERSITY OF RAJASTHAN
JAIPUR

SYLLABUS

M.A. (Hindi)

Semester Scheme

I[st] Semester Exam December 2017

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

1A

एम.ए. (हिन्दी) -- प्रथम सेमेस्टर
कम्पलसरी कोर कोर्स
HIN-101 : प्राचीन काव्य

समय 3 घण्टे | पूर्णांक 100

निर्धारित पाठ –

1. संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो : चन्दबरदाई – स. हजारी प्रसाद द्विवेदी – शशिव्रता विवाह प्रस्ताव आरम्भिक 50 छंद
2. विद्यापति – सं. शिवप्रसाद सिंह – पद संख्या– 8,10,11,16,19,26,36,40,47,48
3. ढोला मारूरादूहा : कुशल लाभ – सं. डॉ. शम्भूसिंह मनोहर – दोहा संख्या 1 से 25 तक
4. गोरखवाणी : गोरखनाथ – सं. पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल – सबदी खण्ड के आरम्भिक – 15 छंद पद खण्ड से आरम्भिक 5 छंद

अंक विभाजन –

चार व्याख्या – प्रत्येक इकाई से एक (आन्तरिक विकल्प देय)	10X4 = 40
चार आलोचनात्मक प्रश्न – प्रत्येक इकाई से एक (आन्तरिक विकल्प देय)	15X4 = 60

अनुशंसित ग्रंथ –

1. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. आदिकालीन हिन्दी साहित्य – डॉ.शंभूनाथ पाण्डेय
4. चंदबरदाई – शांता सिंह
5. पृथ्वीराज रासो : भाषा और साहित्य – डॉ.नामवर सिंह
6. पृथ्वीराज रासउ – सं. माताप्रसाद गुप्त
7. विद्यापति – डॉ.शिवप्रसाद सिंह
8. विद्यापति – डॉ. आनन्द प्रकाश दीक्षित
9. गोरखनाथ – नागेन्द्रनाथ उपाध्याय

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. (हिन्दी) – प्रथम सेमेस्टर

कम्पलसरी कोर कोर्स

HIN-102 : हिन्दी साहित्य का इतिहास – आदिकाल

समय : 3 घण्टे — पूर्णांक : 100

इकाई 1. साहित्य का इतिहास दर्शन, साहित्येतिहास और साहित्यालोचन, हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परम्परा, हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की समस्याएं

इकाई 2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – सीमांकन, नामकरण, परिवेश
आदिकाल के अध्ययन की समस्याएं – साहित्यिकता, भाषा एवं प्रामाणिकता के प्रश्न

इकाई 3. आदिकालीन साहित्य की प्रमुख धाराएं
- क. सिद्ध साहित्य
- ख. नाथ साहित्य
- ग. जैन साहित्य
- घ. रासो साहित्य

इकाई 4. आदिकालीन साहित्य के अन्य पक्ष
- क. लौकिक साहित्य
- ख. गद्य साहित्य
- ग. आदिकाल की उपलब्धियां (भाषा रूप और संप्रेषण क्षमता, कथ्य और शिल्प)

अंक विभाजन –

कुल पाँच प्रश्न

प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न – चार प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय) — 20x4 = 80

अंतिम प्रश्न टिप्पणीपरक होगा– सामाजिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक वैशिष्ट्य केन्द्रित दो टिप्पणियाँ (आन्तरिक विकल्प देय) — 10x2 = 20

अनुशंसित ग्रंथ –

1. रामचन्द्र शुक्ल – हिन्दी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी – हिन्दी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. हजारी प्रसाद द्विवेदी – हिन्दी साहित्यः उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. हजारी प्रसाद द्विवेदी – हिन्दी साहित्य का आदिकाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र – हिन्दी साहित्य का अतीत – भाग 1, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. नगेन्द्र (सं.) - हिन्दी साहित्य का इतिहारा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7. रामस्वरूप चतुर्वेदी – हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. नलिन विलोचन शर्मा – साहित्य का इतिहास दर्शन, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
9. बच्चन सिंह – हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
10. शंभुनाथ पाण्डेय – आदिकालीन हिन्दी साहित्य
11. नागेन्द्रनाथ उपाध्याय – गोरखनाथ : नाथ सम्प्रदाय के परिप्रेक्ष्य में
12. नागेन्द्रनाथ उपाध्याय – बौद्ध कापालिक साधना और साहित्य

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

(2)

एम.ए. (हिन्दी) – प्रथम सेमेस्टर
कम्पलसरी कोर कोर्स

HIN-103 : भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

इकाई 1. क. भाषा : परिभाषा, विशेषताएँ, भाषा और बोली, भाषा परिवर्तन के कारण
ख. भाषा विज्ञान : परिभाषा, अंग, भाषा विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध

इकाई 2. क. स्वनिम विज्ञान : स्वन की परिभाषा, वागीन्द्रियाँ, स्वनों का वर्गीकरण – स्थान और प्रयत्न के आधार पर, स्वन परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ
ख. रूपिम विज्ञान – शब्द और रूप (पद), पद विभाग – नाम, आख्यात, उपसर्ग और निपात व्याकरणिक कोटियाँ – लिंग, वचन, पुरुष, कारक, पद परिवर्तन के कारण

इकाई 3. क. वाक्य विज्ञान – वाक्य की परिभाषा, वाक्य के अनिवार्य तत्व, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण
ख. अर्थ विज्ञान – शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ

इकाई 4. क. हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास
ख. हिन्दी की उपभाषाएं एवं बोलियां
घ. राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी
ग. देवनागरी लिपि की विशेषताएं और मानकीरण, हिन्दी की मानक वर्णमाला

अंक विभाजन –

कुल पाँच प्रश्न
प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न – चार प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय) 20 x 4 = 80
अंतिम प्रश्न टिप्पणीपरक होगा – दो टिप्पणियां (आन्तरिक विकल्प देय) 10 x 2 = 20

अनुशंसित ग्रंथ –

1. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
3. सामान्य भाषा विज्ञान – बाबूराम सक्सेना, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
4. हिन्दी भाषा का उद्‌गम और विकास – उदयनारायण तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5 भाषा और समाज – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. पुरानी हिन्दी – चन्द्रधर शर्मा गुलेरी, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
7. हिन्दी शब्दानुशासन – किशोरीदास वाजपेयी, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
8. भारतीय आर्य भाषा और हिन्दी – सुनीति कुमार चटर्जी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
9. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र – कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
10. हिन्दी भाषा : विकास और स्वरूप – कैलाश चन्द्र भाटिया, ग्रंथ अकादमी, नई दिल्ली

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. (हिन्दी) – प्रथम सेमेस्टर
इलेक्टिव कोर कोर्स (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)
HIN A01 – A06 में से किन्हीं 3 का चयन करें

HIN-A01 : अपभ्रंश भाषा और साहित्य

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

इकाई 1. अपभ्रंश भाषा का विकास तथा उसकी विशेषताएँ, अपभ्रंश, अवहट्ठ और पुरानी हिन्दी

इकाई 2. अपभ्रंश साहित्य का इतिहास

इकाई 3. अपभ्रंश साहित्य की सामान्य विशेषताएँ

इकाई 4. निर्धारित पाठ –
क. अपभ्रंश काव्य सौरभ – सं. कमल चंद सोगानी, (पउम चरिउ – स्वयंभू)
पाठ – 3, 27/14 से 28/2 तक
पाठ – 4, 76/3 से 77/4 तक
ख. हिन्दी काव्यधारा – सं. राहुल सांकृत्यायन, (पाखण्ड खण्डन – रामसिंह)
कुल 17 दोहे
ग. हिन्दी काव्यधारा – सं. राहुल सांकृत्यायन, (प्रोषित पतिका का संदेश)
आरम्भिक 10 छंद
घ. कीर्तिलता : द्वितीय पल्लव

अंक विभाजन –

कुल पाँच प्रश्न
निर्धारित पाठ्य खण्ड से कुल चार व्याख्या – प्रत्येक से एक (आंतरिक विकल्प देय)
10X4 = 40
तीन आलोचनात्मक प्रश्न – प्रथम तीन इकाइयों में प्रत्येक से एक (आंतरिक विकल्प देय)
20X3 = 60

अनुशंसित ग्रंथ –

1. हिन्दी काव्यधारा : राहुल सांकृत्यायन
2. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योग : डॉ.नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. अपभ्रंश भाषा का अध्ययन : डॉ.वीरेन्द्र श्रीवास्तव
4. अपभ्रंश साहित्य : हरिवंश कोछड़
5. प्राकृत और अपभ्रंश साहित्य तथा उनका हिन्दी साहित्य पर प्रभाव : डॉ.रामसिंह तोमर, हिन्दी परिषद् प्रकाशन, इलाहाबाद
6. अपभ्रंश भाषा और साहित्य : राजमणि शर्मा, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
7. अपभ्रंश और अवहट्ठ : एक अन्तर्यात्रा : शम्भुनाथ पाण्डेय
8. अपभ्रंश भाषा साहित्य की शोध–प्रवृत्तियाँ : देवेन्द्र कुमार, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. (हिन्दी) – प्रथम सेमेस्टर

इलेक्टिव कोर कोर्स (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)

HIN A01-A06 में से किन्हीं 3 का चयन करें

HIN-A02 : सूफी साहित्य

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

इकाई 1. सूफी मत का उद्भव और विकास, सूफी मत का सैद्धान्तिक विश्लेषण

इकाई 2. भारत में सूफी मत का विकास एवं विविध सम्प्रदाय

इकाई 3. हिन्दी का सूफी साहित्य – सामान्य विशेषताएं

इकाई 4. निर्धारित पाठ –

क. जायसी ग्रंथावली – सं. रामचन्द्र शुक्ल, (पद्मावत – नागमती वियोग खंड)

ख. मधुमालती (मंझन) – सं. माता प्रसाद गुप्त, 316 से 330 तक

ग. अमीर खुसरो – सं. भोलानाथ तिवारी

गीत –
1. मेरा जोवना नवेलरा भया है गुलाल.........
2. बहुत रही बाबुल कर दुलहिन, चल तेरे पी ने बुलाई
3. दईया री मोहे भिजोकारी
4. अम्मा मेरे बाबा को भेजो कि सावन आया
5. जो पिया सावन कह गये अजहुँ न आए स्वामी हो

कव्वाली –
1. छापा तिलक तज दीन्ही रे तो से नैना मिला के
2. बहुत दिन बीते पिया को देखे

सूफी दोहे –
1. गोरी सोवे सेज पर मुख पर..............
2. श्याम सेत गोरी लिये जनमत भई अतीत............
3. खुसरो रैन सुहाग की जागी पी के संग...............
4. वो गए बालम वो गये नदिया पार.............
5. देख मै अपने हाल को रोउ जार–ओ–जार..........
6. चकवा चकवी दो जने उनको मारे न कोय..........
7. सेज सूनी देख के रोउ दिन रैन............
8. ताजी खूटा देश में कब से पड़ी पुकार............

अंक विभाजन –

आरम्भिक तीन इकाइयों से एक–एक आलोचनात्मक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) 20X3 = 60

चतुर्थ इकाई से 4 व्याख्याएं – प्रत्येक से न्यूनतम एक (आंतरिक विकल्प देय) 10X4 = 40

अनुशंसित ग्रंथ –

1. जायसी ग्रंथावली – सं. रामचन्द्र शुक्ल
2. पद्मावत – सं. वासुदेवशरण अग्रवाल
3. जायसी – विजयदेवनारायण साही
4. मधुमालती – डॉ. शिवगोपाल मिश्र
5. हिन्दी सूफी काव्य की भूमिका – रामपूजन तिवारी
6. जायसी परवर्ती हिन्दी सूफी कवि और काव्य – डॉ. सरला शुक्ल
7. सूफी मत – डॉ. कन्हैया सिंह
8. मध्ययुगीन प्रेमाख्यान – डॉ. श्याम मनोहर पाण्डेय
9. अमीर खुसरो का हिन्दी काव्य – गोपीचंद नारंग
10. सूफी मत और हिन्दी सूफी काव्य – डॉ. नरेश

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. (हिन्दी) – प्रथम सेमेस्टर
इलेक्टिव कोर कोर्स (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)
HIN A01-A06 में से किन्हीं 3 का चयन करें

HIN-A03 : लोक साहित्य

इकाई 1. लोक संस्कृति की अवधारणा
लोक संस्कृति और साहित्य
लोक साहित्य का अन्य सामजिक विज्ञानों से संबंध
लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएं

इकाई 2. लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण
लोकगीत – संस्कारगीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत
लोक गाथा एवं लोककथा
लोकनृत्य एवं लोकनाट्य

इकाई 3. लोकनाट्य – रामलीला, रासलीला, कीर्तनियां, स्वांग, यक्षगान, विदेशिया, भांड, तमाशा, नौटंकी

इकाई 4. हिन्दी लोक नाट्य की परम्परा
हिन्दी नाटक एवं रंगमंच पर लोक नाट्यों का प्रभाव

अंक विभाजन –

कुल पाँच प्रश्न
प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय) 20 x 4 = 80
अंतिम प्रश्न टिप्पणीपरक होगा – दो टिप्पणियां (आन्तरिक विकल्प देय) 10 x 2 = 20

अनुशंसित ग्रंथ –

1. बद्रीनारायण : लोकसंस्कृति में राष्ट्रवाद, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
2. श्यामचरण दुबे : परम्परा, इतिहास बोध और संस्कृति, राधाकृष्ण, नई दिल्ली
   संक्रमण की पीड़ा, वाणी नई दिल्ली
3. डॉ.सत्येन्द्र : लोक साहित्य विज्ञान, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
4. अर्नाल्ड हाउजर : कला का इतिहास दर्शन, ग्रंथ शिल्पी, नई दिल्ली
5. कुंदनलाल उप्रेती : लोक साहित्य के प्रतिमान, भारत प्रकाशन मंदिर अलीगढ़
6. डॉ.श्रीराम शर्मा : लोक साहित्य सिद्धांत प्रयोग, विनोद पुस्तक मंदिर आगरा
7. डॉ.रवीन्द्र भ्रमर : लोक साहित्य की भूमिका, साहित्य सदन कानपुर
8. डॉ.दुर्गा भागवत : भारतीय लोक साहित्य की रुपरेखा, विभु प्रकाशन दिल्ली
9. दिनेश्वर प्रसाद : लोक साहित्य और संस्कृति, लोकभारती इलाहाबाद
10. लोकायलोकन : विजय वर्मा, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
11. सम्मेलन पत्रिका : लोक संस्कृति विशेषांक, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद
12. सापेक्ष : लोक साहित्य विशेषांक, सं. महावीर अग्रवाल, दुर्ग

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan,
JAIPUR

एम.ए. (हिन्दी) – प्रथम सेमेस्टर

इलेक्टिव कोर कोर्स (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)

HINA01 - A06 में से किन्हीं 3 का चयन करें

HIN-A04 : हिन्दी भाषा और व्याकरण

समय : 3 घण्टे — पूर्णांक : 100

इकाई 1.
- क. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास, 'हिन्दी' नाम और उसके विभिन्न रूप – हिंदवी, हिन्दुस्तानी, रेख्ता, दक्खिनी
- ख. हिन्दी भाषा का आधुनिक स्वरूप – जनभाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, सम्पर्क भाषा

इकाई 2.
- क. देवनागरी लिपि और उसका विकास, देवनागरी लिपि का मानकीकरण
- ख. हिन्दी की मानक वर्णमाला एवं ध्वनियाँ

इकाई 3.
- क. भाषा और व्याकरण का संबंध
  व्याकरण और भाषा विज्ञान
- ख. भारत में व्याकरण का विकास एवं प्रमुख वैयाकरण – पाणिनी, हेमचन्द, कामताप्र गुरू, किशोरीदास वाजपेयी

इकाई 4.
- क. हिन्दी में शब्द निर्माण की प्रक्रिया और रूपों का विकास
  - (i) संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, क्रिया विशेषण
  - (ii) उपसर्ग और प्रत्यय
  - (iii) संधि और समास
  - (iv) तत्सम्, तद्भव, देशज, विदेशज शब्द
- ख. वाक्य रचना और उसके विभिन्न आयाम

अंक विभाजन –

कुल पांच प्रश्न

प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न – चार प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय) — 20X4 = 80

एक प्रश्न टिप्पणीपरक होगा (चतुर्थ इकाई से संबंधित होगा) दो टिप्पणियाँ (आन्तरिक विकल्प देय) — 10X2 = 20

सहायक ग्रंथ –

1. हिन्दी भाषा – महावीर प्रसाद द्विवेदी
2. हिन्दी शब्दानुशासन – किशोरी दास वाजपेयी
3. हिन्दी की वर्तनी और शब्द विश्लेषण – किशोरी दास वाजपेयी
4. अच्छी हिन्दी – रामचन्द्र वर्मा
5. हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास – धीरेन्द्र वर्मा
6. हिन्दी व्याकरण – कामताप्रसाद गुरू
7. हिन्दी भाषा का उद्‌गम और विकास – उदयनारायण तिवारी
8. हिन्दी व्याकरण मीमांसा – काशीराम वर्मा
9. हिन्दी भाषा की संरचना – भोलानाथ तिवारी

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. (हिन्दी) प्रथम सेमेस्टर

इलेक्टिव कोर कोर्स (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)

HIN A01 – A06 में से किन्हीं 3 का चयन करें

HIN-A05 : राजस्थानी भाषा और साहित्य

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

इकाई 1.
क. राजस्थानी भाषा : उद्भव और विकास
ख. राजस्थानी भाषा की व्याकरणिक विशेषताएं
ग. राजस्थानी भाषा की बोलियां

इकाई 2.
क. राजस्थानी साहित्य का इतिहास
ख. राजस्थानी साहित्य की प्रमुख विधाएं एवं प्रवृतियां
ग. राजस्थानी के प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएं

इकाई 3.
क. राजस्थानी गद्य चयनिका – सं. ब्रजनारायण पुरोहित, श्याम प्रकाशन, जयपुर
ख. अचलदास खींची री वचनिका – सं. भूपतिराम साकरिया, पंचशील प्रकाशन, जयपुर

इकाई 4.
क. वेलि क्रिसन रूकमणी री : पृथ्वीराज राठौड़ – सं. नरोत्तमदास स्वामी (100 से 150 छंद तक)
ख. राजस्थानी रसधारा – डॉ.शम्भूसिंह मनोहर, श्याम प्रकाशन, जयपुर

अंक विभाजन –

इकाई 3 एवं इकाई 4 के खण्ड क एवं ख प्रत्येक से एक व्याख्या – कुल चार (आन्तरिक विकल्प देय) 10 x 4 = 40

प्रत्येक इकाई से एक आलोचनात्मक प्रश्न – कुल चार (आन्तरिक विकल्प देय) 15 x 4 = 60

अनुशंसित ग्रंथ –

1. डॉ0 तेसीतोरी (अनु. डॉ0 नामवर सिंह) : पुरानी राजस्थानी, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी
2. सीताराम लालस : राजस्थानी व्याकरण, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर
3. डॉ0 नरोत्तमस्वामी : संक्षिप्त राजस्थानी व्याकरण,सार्दुल राजस्थानी रिसर्च इन्स्टीट्यूट, बीकानेर
4. डॉ0 मोतीलाल मेनारिया : राजस्थानी भाषा और साहित्य, हिन्दी साहित्य सम्मेलन,प्रयाग
5. ग्रियर्सन : राजस्थान भाषा सर्वेक्षण (अनु. डॉ0आत्माराम जाडोरिया) राजस्थान भाषा प्रचार सभा, जयपुर
6. हीरालाल माहेश्वरी : राजस्थानी भाषा और साहित्य का इतिहास
7. डॉ0 भूपतिराम साकरिया तथा बद्री प्रसाद साकरिया : राजस्थानी हिन्दी – भाषा कोष भाग –2, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
8. डॉ0 कृष्णबिहारी सहल : ढोला मारू रा दूहा – एक अध्ययन, आत्माराम एंड संस दिल्ली
9. डॉ0 शिवस्वरूप शर्मा (संपा.) : राजस्थानी गद्य – उद्भव और विकास, सार्दुल राजस्थानी रिसर्च इन्स्टीट्यूट, बीकानेर
10. डॉ0 किरण नाहटा : आधुनिक राजस्थानी साहित्यः प्रेरणास्त्रोत और प्रवृतियाँ

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. (हिन्दी) – प्रथम सेमेस्टर

इलेक्टिव कोर कोर्स (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)

HIN A01 - A06 में से किन्हीं 3 का चयन करें

HIN-A06 : तुलसीदास

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

इकाई 1. रामचरित मानस : अयोध्याकाण्ड (दोहा संख्या 67 से 90 तक) गीताप्रेस, गोरखपुर

इकाई 2. कवितावली (उत्तर काण्ड, 15 छंद) छंद संख्या – 119, 122, 126, 132, 134, 136, 140, 141, 146, 153, 155, 161, 165, 182, 229 गीताप्रेस, गोरखपुर

इकाई 3. गीतावली (बालकाण्ड, 20 पद) पद संख्या – 7, 8, 9, 10, 18, 24, 26, 31, 33, 36, 44, 73, 95, 97, 101, 104, 105, 106, 107, 110 गीताप्रेस, गोरखपुर

इकाई 4. विनय पत्रिका (20 पद) पद संख्या – 1, 5, 17, 30, 36, 41, 45, 72, 78, 79, 85, 89, 90, 94, 100, 101, 102, 103, 104, 105, = 20 पद गीताप्रेस, गोरखपुर

अंक विभाजन –

चार व्याख्याएँ – प्रत्येक इकाई से एक (आंतरिक विकल्प देय) 10 x 4 = 40

तुलसीदास की भक्ति, दर्शन, जीवन दृष्टि, काव्य कला आदि के वैशिष्ट्य पर केन्द्रित तीन आलोचनात्मक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) 20 x 3 = 60

अनुशंसित ग्रंथ –

1. गोस्वामी तुलसीदास – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. मानस दर्शन – डा. श्रीकृष्णलाल, आनंद पुस्तक भवन, काशी
3. तुलसी और उनका युग – डॉ. राजपति दीक्षित, ज्ञानमंडल, काशी
4. रामकथा का विकास – कामिल बुल्के, हिन्दी परिषद, प्रयाग
5. तुलसी : आधुनिक वातायन से – रमेश कुंतल मेघ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. परम्परा का मूल्यांकन – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. तुलसी काव्य मीमांसा – उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन
8. लोकवादी तुलसीदास – विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
9. भक्तिकाल में भारतीय रहस्यवाद – राधेश्याम दुबे, संजय बुक सेन्टर, वाराणसी
10. तुलसी : एक पुनर्मूल्यांकन – सं. अजय तिवारी, आधार प्रकाशन, पंचकूला
11. मध्ययुगीन काव्य साधना – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

9